22 लाख करोड़ का होगा निवेश

टूटा रिकार्ड : 17 लाख करोड़ के निवेश का था लक्ष्य, अब तक 14 हजार एमओयू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : उत्तर प्रदेश ने बेहतर कानून व्यवस्था व अच्छे इंफ्रास्ट्रक्चर के बूते पर उद्यमियों का जबरदस्त भरोसा जीतने में कामयाबी हासिल की है। अब यहां निवेश के लिए उद्यमियों में होड़ लगी हुई है। इसी का नतीजा है कि यूपी में 10 फरवरी से 12 फरवरी तक आयोजित होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 17 लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा था और उससे पहले ही यह रिकार्ड टूट गया है। शनिवार तक यूपी को 22 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के लिए 14 हजार से ज्यादा एमओयू प्राप्त हो चुके हैं।

यूपी में निवेश का यह आंकड़ा अभी और बढ़ेगा। क्योंकि अभी समिट शुरू होने में पांच दिन शेष हैं। इस बड़े निवेश का लाभ प्रदेश के युवाओं को भी होगा। उनके सामने दो करोड़ रोजगार के अवसर होंगे। फिलहाल 12 हजार छोटे व मझोले निवेशक प्रदेश में 1.20 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। वहीं करीब 150 निवेशक ऐसे भी हैं, जिन्होंने तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के लिए एमओयू साइन किए हैं। यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा विश्व व देश भर के विभिन्न राज्यों में मंत्रियों और अधिकारियों द्वारा किए गए रोड शो व निवेशक सम्मेलन का आयोजन करने की पहल ने बड़ा रंग दिखाया है। यूपी सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए बेहतर कार्यों का ही नतीजा है कि यूपी की गिनती बीमारू राज्य की बजाए एक सशक्त राज्य के रूप में हो रही है। अब उद्यमी यहां निवेश करने को आतुर हैं।

बड़े निवेशकों की श्रेणी में 500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने वाले उद्यमी शामिल हैं। ऐसे 300 से ज्यादा निवेशक हैं। यह निवेशक प्रदेश में चार लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर सकते हैं। इस निवेश के माध्यम से 20 लाख से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से रोजगार मिल सकता है। इस श्रेणी के बाद सुपर निवेशकों की बारी आती है। जो प्रदेश में तीन हजार करोड़ से अधिक का निवेश करेंगे। ऐसे बड़े उद्योगपतियों की संख्या करीब 150 है। यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। अगले हफ्ते शुक्रवार से तीन दिवसीय समिट शुरू होगा। राजधानी स्थित वृंदावन कालोनीइसका आयोजन होगा। वहां तैयारियां जोरों पर हैं। इन्वेस्ट यूपी की वेबसाइट के माध्यम से उद्यमियों से आनलाइन एमओयू किए जा रहे हैं। उद्यमियों को दिक्कत न हो इसके लिए यह व्यवस्था की गई है।

भरोसे का निवेश » संपादकीय

UP GLOBAL INVESTORS SUMMIT
10-12 FEBRUARY, 2023

- दो करोड़ युवाओं को मिलेगा रोजगार
- निवेशकों ने यूपी पर जताया भरोसा
- 10 से 12 फरवरी तक लखनऊ में होगा जीआइएस का आयोजन

शिक्षा क्षेत्र में 1.57 लाख करोड़ का होगा निवेश : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में होने वाले जीआइएस में सिर्फ शिक्षा के क्षेत्र में ही 1.57 लाख करोड़ रुपये का निवेश होने जा रहा है। 54 निवेश के प्रस्ताव मिल चुके हैं। निजी विश्वविद्यालय, निजी कालेज खोलने के साथ-साथ शिक्षा से जुड़े अन्य क्षेत्रों में उद्यमी निवेश करेंगे। राजधानी स्थित होटल ताज में आयोजित एक कार्यक्रम में योगी ने कहा कि शिक्षण संस्थानों को अच्छी शिक्षा देने के साथ सामाजिक उत्तरादायित्व का निर्वहन करना चाहिए। योगी ने कहा कि मेरे कार्यकाल में पूर्वांचल में जापानी इंसेफ्लाइटिस से मरने वालों के आंकड़ों में 97 प्रतिशत तक की कमी आई।

छोटे निवेशक देंगे सबसे ज्यादा 1.30 करोड़ रोजगार

अंबानी, अदाणी व बिड़ला जैसे बड़े उद्योगपति प्रदेश में निवेश के लिए अपना रोडमैप तैयार कर रहे हैं। वहीं छोटे उद्योगपति भी बड़ी संख्या में निवेश के लिए प्रदेश में आ रहे हैं। इनकी संख्या 12 हजार है और यह कुल 1.20 लाख करोड़ रुपये के निवेश से 1.30 करोड़ लोगों को रोजगार देंगे यानी ज्यादा रोजगार छोटे निवेशक ही देंगे।

1,400 करेंगे 500 करोड़ तक के निवेश

प्रदेश में एक हजार निवेशक ऐसे हैं जो 50 करोड़ से लेकर 200 करोड़ रुपये तक का निवेश करेंगे। वहीं 400 निवेशक ऐसे हैं जो 500 करोड़ रुपये तक का निवेश करेंगे। 1.10 लाख करोड़ के निवेश से 4.5 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा।